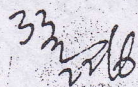


8282 ~~GORS~~

[illegible][illegible]

22

निबन्धन पदार्थिक/री

~~पुनर्विचार~~

(C) 32.29
 100 2.29
 100A .75

279

2: 200

2. 25

822

X3.

This micrograph shows a cross-section of a plant stem. A prominent vascular bundle is visible, consisting of a cluster of large, thick-walled cells (likely sclerenchyma or collenchyma) surrounding a central region of smaller cells. The overall structure is elongated and somewhat irregular in shape.

[illegible]

नाम
मे. वि. रा.

2	नाम
१	मोक्षर
१	अलेह
१	१८७०

३	विस्म
	वोसका
४	तायदाद
५	अरसमान

१:- श्री राम देव सिंह
 २:- श्री रेवेलन सिंह
 ३:- श्री अष्टमेव सिंह

बलदान श्री परमेश्वर
 सिंह - परलोक नदी
 आन राजपुत्र -

सीविकान मोजे अष्टमपुर
 थाना - फुलवीरी - जिला - पटना - पेशा -
 आरक्ष आरक्ष -

श्री विमोला प्रसाद सिंह - बब्बू श्री आली
चररा सिंह बतमान - साकिन मौजे बरबनपुर
भगना ओझरी - धाना चौकी जिला राय
हल मोहम्मद महल्ला बान्ना गंज - बटना
धाना पोर बहार - जिला - बटना - बरना
आस्तकरी -

બિલ્લી પત્ર તથા જોડે લાવવા લાગી
જાવ. ૬૫૦૦) તો પૈસા સો રૂપયા
—: અરસમ્મન :-

5M2A.
Name die Suche

6/11/45



14351 - नदी वनविहारी 12 न. 12/11/45
22-9-45



आ. 10/11/45
22/11/45



22/11/45

NINE RUPEES  NINE RUPEES

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ श्री गणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मौजाना - ०० - ६४ डी०
सज्जन :- अज्जाजा के श्री राम चन्दर सिंह - चट्टा मा
मोकिराण बेरादराण हक्केली के बे । - बंद सा मिल
साध मा मोकिराण के रहते बे । - फूल खाना पीना
राम चन्दर सिंह मौसूफ का मा मोकिराण के -
साध रहता था । - वो मौन पुत्रले आप दाद -
रगतदात में से लाट व ० २ मकाजा ६४ डी० रचरिगि
बजरिगि - बे । - मरकमा नारीय - ४ अगस्त १९४०

[illegible]

one in 10 men

11. $26\pi^2 \leq \pi \leq 27\pi^2$ — $26\pi^2$ දී

इजमाल खान दान के सरपाया से खरिद किया गया। -
जिसपर मा मोकिरात और ज दरबेल मालिक मुस्तफिल
चला जाता है। - वृंके मीन मोकिरात के अखरत -
खपचा के बसके खरीद करेगे आपदा के अखरत है। -
आयदाद मज्जुर व फासला दूर मसकत है हमारे है। - इस
लिख मा मोकिरात के दिली खरिदो हुला के आपदाद
मज्जुर के खरीदत करके। - मोमत से उसका
दूसरा आयदाद खरीद ले। - या ऐसा करे की उससे
आदा नफा हो। - इसलिख मा मोकिरात लचार बिक्री
का किया - वो मोकिर अल्ले सचा पा हमलो जो के -
खरिदने पा लेगा हुश। - और दोनो फरीक से माफला है -
अन निरुक्त आयदाद मोकिरा के मा ०६५००) रुं पे सठ
सो खपचा है हुला। - इससे बेसी मोमत दिगर सक्त -
दने को अफादा न हुला। - बल्के मीन मोकिरात ने -
मा ० १५३) रुं बतौर - अफादा मोकिर अल्ले से बहुत कपा
है। - अब लिखदेगा बलिका के नगात मोकिर अल्ले अखरत है -
बनीवोर - मीन मोकिरात - व खुश रजा राबत खुद -
बहालत सेहत जात सबात अन्नल व दुरस्तगी होश हमल
अपने अपने बिल देने - अवर वो खरेव देही किसी के
व खुशी अपने अपने नफा मुल्कशात को समझ बुझ कर -
हमारी वो बगामी आयदाद मुन्दरे बाला जिसका पुरा वकरील

खाना नं ५ में दर्ज है। उसको सप भुल हल हल्लूक मवाफिक-
मतलूक उसके बेला भीमहाई किसी से वो इस्लामाक के व बदल
कीमल बदल मो० ६५००) रु० पैसद से खपचा असममत साथ
मोकिर अलैह मुन्दरै खाना नं २ के बेचा वो पै लाक -
लामी बिचा और भुल असमत खरिदार से - इस तरह से
वसूल पाया जो मो० १४२) रु० बतौर ० घाना खरिदार से वसूल
पाया है। - उसके असमत हाजा में भीमहा भर दिया। वो बलिस-
मो० ६३५८) रु० इस वर्जिशल से जो भीत मुमेल इसके मो०-
११००) रु० सतह से खपचा व वक्त दसरत बलिका दल्लानुतल
पाया - जिसका इजाज बल्लो अयके दसरत में लिख दिया। वो
बलिस मो० ४६५८) रु० नगदा व वक्त तलावपूल बदलेन -
वसूल पावगे। - अब भीन मोकिरात ने खरिदार जो उपर से -
मोवईचा के बजार खुदहा आबिज दरबल गरदाना। - चकिर
के खरिदार मजकूर उपर से मोवईचा के आबिज दरबल
होकर वो रहकर जो वो जिस तरह से मोतसरीक तथा भोग
जबसा चाहें अमल दर आमद लावें। - इलाहाल जो हल
हल्लूक भीन मोकिरात के अन्दर से मोवईचा में हासिल
थक, वह सब वमीमो हल्लूक भीन मोकिरात से मुतकिल
होकर खरिदार को हासिल हुला। - अब भीन मोकिरात
जो उससे कोई वास्ता नरहा - भीन मोकिरात आइन्द
कोई दावा साथ खरिदार या बोरशात उनके नीचे करेगे। -
अगर भर खिलाक इसके केरं भी तो व मोन्वाले नसिना
हाजा रदवो भाले होगा। - भीन मोकिरात ने खरिदार
को रुकीक और बिश्वास दिलाया है - कि से मोवईचा में

२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

पिता - खरिदार नाम अष्टना साल के - के सिरिस्ता में था -
 अहाँ जहाँ जखत होगा इसे जमा लेंगे। - वो असल
 बसिका - ये तारीख ४ अगस्त सन १८६२ ई० वो भी असल
 बसिका है। - ५ - जुलाई १८६२ ई० - वो असल बसिका
 रेहन नामा - ६ - जुलाई १८६२ ई० - वो भी असल बसिका
 ये जमाता - ७ जुलाई १८६२ - वो भी असल बसिका है -
 तारीख - १८ अप्रैल सन १८६२ - वो बसिका है - तारीख
 १८ अप्रैल सन १८६२ ई० - वो भी असल है जमाता १२ - अप्रैल
 सन १८६२ ई० - वो भी असल बसिका है - तारीख -
 ३ जुलाई सन १८६२ ई० - वो असल रसीद - तारीख ७ जुलाई
 सन १८६२ ई० - वो खरिदार का दे दिया। - इस
 बाहेत यह बसिका केनाला है लाक लगी नगल मोकी
 अलैद लिये दिया वो समझ पर जमात आय।

वहरीर - वहरीर - २१ - ६ - १०५९ ई० :-